

संख्या

हुयम या चयनवाली मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख  
अहमकाम जो इस  
हुयम की तामील में  
जारी हुए

मानवसुन्दर सभाग न. वा. राजगढ  
प्रा. पत्र 212 आर. टी. एक्ट

9. 5. 19 आज यह प्रा. पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर. टी. एक्ट का वकील प्राथी ने अप्राथीगण के विरुद्ध प्रस्तुत करे अप्राथीगण को जरिये अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द करने का निवेदन किया गया कि आराजी विषादित हाल व सं. 03 रकबा 0.24 है. वाके ग्राम श्रीनगर तह. राजगढ में स्थित है से प्राथी को जबरन निदखन न करें रकबा कब्जा न करें आराजी के किसी भाग को दबाकर कोई निमाण काय न करें आराजी के तरफ उत्तरी सीरे में निर्मित पुरानी कच्ची मिटटी की पेड को करीब 3 फुट ऊचाई की तथा करीब 125 फुट लम्बाई की निर्मित है को तोड फोड न करें प्राथी के कब्जा काश्त में किसी प्रकार की रुकावट मजाहमत पैदा न करें पेड आदि को काट कर न ले जावें । साथ में शपथ पत्र पेश किया ।

बहस वकील प्राथी ऐकपक्ष में सूनी गई । पत्रावली का अवलोकन किया गया । प्रकरण में अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका राजगढ को पत्र जारी किया जावे कि को आराजी पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही करने से पूर्व राजस्व विभाग तहसीलदार राजगढ से नियमानुसार समा ज्ञान करावें । अप्राथीगण जरिये नोटिस तलब हो कि उन्हें इस सम्बन्ध में कोई स्तराज हो तो दिनांक 11/6/19 को उपस्थित न्यायालय होकर पेश करें । हज्र हों ।

उप खण्ड अधिकारी  
राजगढ अलवर

31/5/19 [Signature] को [Signature]  
पीलारीन अधिकारी नहोदय अवकाश  
वीरे पर है अतः पत्रावली दि. 31/5/19  
को पेश हो

31/5/19 [Signature]  
[Signature] कर  
[Signature] तलब होकर दि.  
04/6/19 को पेश हो  
31/5/19 [Signature]  
अधिसापक कण्डल में कार्य  
स्थगित किया है। दिनांक 31/5/19  
को पेश हो

S.D.O.

सं. सं. सं.

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, राजगढ़

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स अज

नाम व तारीख  
अद्वैतम जो हुक्म  
हुक्म की तारीख में  
तारी हुक्म।

15/11/25 पत्रावली पत्रा 93 नाल 34  
वाक बहम दिनांक 21/10/25 मा  
पत्र धा 882  
500

27/09/25  
पत्रावली इकु जाई तारीख से  
पेश। वकुं उपन। अग्रार्थी व.  
1,2 कीओर से श्री श्रेष्ठा गुड  
द्वारा UT दी गई। वास्ते पत्र  
होने वकालत नममा दिनांक  
07/10/25 को पेश हो।

प्रतिवादी की, 2 की  
कोर्ट की 07  
17/10/25  
(2000 पत्रावली)

800

07/10/25  
पत्रावली पेश। वकुं उपन  
वास्ते बहम दिनांक 31/10/25  
को पेश हो।

800

31/10/25 पत्रावली पत्रा - वकील मूल 2191  
अद्वैतम दावती पत्रा की में एवारीज (डिमा) जाउ मा ही  
एवारीज - एवारीज (डिमा) की कार्यवाही की  
इति एवारीज वा बंड की जाका अद्वैतम  
दावती पत्रा की में एवारीज (डिमा) जाउ मा ही  
पत्रावली वास पूर्ति गकर के वकालत होवा  
जस लेक अद्वैतम ही

800